135. राजस्थान की किस चित्रकला शैली का सम्बन्ध ''ढोला मारु'' से है?

(a) मेवाड़ शैली (b) मारवाड़ शैली
(c) हाड़ौती शैली (d) ढुँढाड़ शैली

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) – मारवाड़ शैली- इस शैली का विकास राव मालदेव के समय में स्वतंत्र रूप से हुआ था। इस शैली में पुरूष लम्बे,चौडे गठीले बदन के तथा स्त्रियाँ गठीले बदन की बदामी आँखे, वेशभूषा ठेठ राजस्थानी और पीले रंग की प्रधानता होती है। चित्र के विषय नाथचरित्र, भागवत, पंचतन्त्र,ढोल-मारू,मूमलदेव, निहालदेव, कालूराम आदि प्रमुख है। मारवाड़ शैली राजस्थान के उत्तर-पश्चिम की प्रधान चित्रशैली है। इस शैली में रागमाला चित्रावली का चित्रांकन वीर जी ने किया।

136. मारवाड़ शैली में निर्मित 'रागमाला चित्रावली' 1623 ई. का चित्रांकन किसने किया-

(a) पुण्डरीक (b) मीर बक्श
(c) वीर जी (d) साहिब राम

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. पश्चिमी राजस्थान की प्रधान शैली है-

(a) मारवाड़ी (b) मेवाड़ी
(c) बागड़ी (d) शेखावाटी

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. पंचतन्त्र चित्रांकन किस चित्रशैली की प्रमुख विशेषता है?

(a) बूँदी (b) नाथद्वारा
(c) मारवाड़ (d) ढूंढार

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) परीक्षा -2019
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (c) – पंचतन्त्र चित्रांकन मारवाड़ शैली की प्रमुख विशेषता है। मारवाड़ (जोधपुर के आस-पास का क्षेत्र) में अजंता चित्रकला की परम्परा लगभग मेवाड़ शैली के साथ-साथ ही प्रविष्ट हुई। तारानाथ के अनुसार, इस शैली का सम्बन्ध श्रृंगधर से है जिसने मारवाड़ शैली को स्थानीय तथा अजंता परम्परा के सामंजस्य द्वारा जन्म दिया। विजयसिंह व मानसिंह के काल में भक्ति रस व श्रृंगार रस के अधिक चित्र बने। नाथ चरित्र, भागवत, शुकनासिका चरित्र, पंचतंत्र, गीतगोविन्द, ढोला-मारू, रागमाला, बारहमासा जैसी साहित्यिक कृतियों पर चित्रावलियाँ व छवि चित्र बने।

139. चित्रकार अली रजा, हामिद रूकनुद्दीन, रामलाल किस चित्रकला शैली से सम्बन्धित है?

(a) बीकानेर (b) जयपुर
(c) जोधपुर (d) बूँदी

RPSC Kanishta Abhiyanta (Y.V.) 20-05-2022, Shift-II

Ans. (a) : अली-रज़ा, हामिद रूकनुद्दीन, रामलाल, आसीर खाँ, नाथू, मुराद कायम, शाह मुहम्मद, चंदुलाल बीकानेर चित्रकला शैली से संबंधित चित्रकार थे। इस शैली को मथेरण कला भी कहते हैं। इस शैली पर मुगल-दक्कन शैली का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। इस शैली में भागवत पुराण, रसिक प्रिया, बारहमासा आदि का चित्रांकन हुआ है। महाराजा अनूपसिंह के समय में बीकानेर शैली अपने शुद्धतम रूप में थी।

140. आसीर खाँ, रूक्नुद्दीन, चन्दूलाल चित्रकला की किस शैली से संबंधित है?

(a) ढूँढाड़ शैली (b) बूंदी शैली
(c) उनियारा शैली (d) बीकानेर शैली

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

141. निम्नलिखित में से कौन सा चित्रकार बीकानेर चित्रकला शैली से सम्बन्धित नहीं है?

(a) शाह मुहम्मद (b) रुकनुद्दीन
(c) मनोहर (d) अलीरजा

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (c) – मनोहर बीकानेर शैली के चित्रकार नहीं थे बल्कि वे मेवाड़ शैली के चित्रकार थे। शाह मुहम्मद,रूकनुद्दीन और अलीरजा बीकानेरी शैली के प्रमुख चित्रकार थे। अलीरजा और हामिद रूकनुद्दीन की चित्रकला से बीकानेर शैली का उद्भव बीकानेर नरेश रामसिंह (1574–1612 ई.) के शासन काल में हुआ। महाराजा अनूपसिंह के समय बीकानेर शैली का शुद्धतम् विकास हुआ। इस समय भागवत पुराण, रसिक प्रिया, बारहमाशा आदि का चित्रांकन किया गया। बीकानेर शैली के उद्भव का श्रेय यहाँ के उस्तादों को दिया जाता है। ऊँट की खाल पर की जाने वाली चित्रकारी को उस्ता कला (चर्म शिल्प) कहा जाता है। स्वर्गीय हिसामुद्दीन उस्ता कला में सिद्ध हस्त कलाकार थे। बीकानेर अपने बहुआयामी रूपों जैसे ऊँट की खाल पर मीनाकारी, स्वर्ण मीनाकारी, महलों और हवेलियों के चित्रों हेतु प्रसिद्ध है।

142. 'उस्ता कला' पद का प्रयोग किस चित्रकला शैली के संदर्भ में किया जाता है?

(a) देवगढ़ (b) किशनगढ़
(c) बीकानेर (d) हाड़ौती

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

143. स्व.हिसामुद्दीन किस हस्तशिल्प के सिद्धहस्त कलाकार थे?

(a) थेवा कला (b) उस्ता कला
(c) जट पट्टी कला (d) मीनाकारी

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

144. ..... अपने बहुआयामी रूपों जैसे ऊंट की खाल पर मीनाकारी, स्वर्ण मीनाकारी और महलों और हवेलियों में चित्रों (उस्ता कला) के विश्व प्रसिद्ध है।

(a) बीकानेर (b) जोधपुर
(c) गंगानगर (d) उदयपुर

Pashudhan Sahayak Date. 04.06.2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

145. 'उस्ता' कला संबंधित है

(a) लकड़ी पर नक्काशी (b) चर्म शिल्प
(c) मार्बल पर नक्काशी (d) सजावटी लाख शिल्प

सहायक सांख्यिकी अधिकारी, 2018

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।